रणजीत टाइम्स

इंदौर

सोमवार, 24 नवम्बर, 2025

वर्ष 01 | अंक 292 | कुल पृष्ठ : 8 | Digital

RNI-NO.MPHIN/2015/64585

प्रधान संपादक : गोपाल गावंडे

बच्चों ने देखा, फिर टीचर-पुलिस को बताया, आसपास के इलाके में तलाशी जारी

अल्मोड़ा में स्कूल के पास 20 किलो विस्फोटक बरामद

अल्मोड़ा (एजेंसी)। अल्मोड़ा के सल्ट क्षेत्र में राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के पास शुक्रवार को 20 किलो विस्फोटक मिला था। इसके बाद रविवार सुबह एसपी मौके पर पहुंचे और पूरे इलाके की सुरक्षा बढ़ा दी गई। पुलिस की टीमें स्कूल

के आसपास के इलाके में तलाशी अभियान चला रही हैं। यह विस्फोटक सबसे पहले गुरुवार को स्कूल के कुछ बच्चों ने झाड़ियों में देखा था। बच्चों ने इसकी सूचना शिक्षकों और फिर पुलिस को दी, जिसके बाद शुक्रवार को भिकियासैंण पुलिस, डॉग स्क्वॉड और फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंची थी, जहां से 20 किलो 125 ग्राम 161 जिलेटिन छड़ें बरामद की गईं।

161 जिलेटिन छड़ें बरामद दोबारा फोरेंसिक जांच शुरू

फोरेंसिक विशेषज्ञ जिलेटिन के नमूनों का दोबारा परीक्षण कर रहे हैं, ताकि यह पता लगाया जा सके कि यह सामग्री कहां से आई और किस प्रकार की है। टीम ने मौके की मैपिंग कर अलग-अलग बिंदुओं से मिट्टी और अन्य सबूत भी एकत्र किए हैं। शनिवार को एसएसपी के निर्देश पर बम डिस्पोजल टीम, डॉग स्क्वॉड, थाना पुलिस, एलआईयू और आईआरबी की संयुक्त टीमों ने जंगल, झाड़ियों, स्कूल परिसर और आसपास की पगडंडियों में सघन तलाशी अभियान चलाया। पुलिस किसी अतिरिक्त सामग्री या छूटे हुए सुराग की तलाश रही है। पुलिस यह जानने की कोशिश में है कि 20 किलो विस्फोटक को स्कूल के पास की झाड़ियों में क्यों रखा गया।

इंदौर अब स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी बनाएगा विशेष पहचान

सीएम डॉ. यादव बोले-स्वच्छता और स्वाद के साथ यहां भी करेगा कमाल

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि इंदौर ने स्वच्छता और स्वाद के क्षेत्र में विश्व में विशेष पहचान बनाई है। आज की मैराथन, इंदौर को स्वास्थ्य क्षेत्र में भी विशेष पहचान देगी। स्वास्थ्य की मूल आधार दौड़ है और दौड़ के लिए इतनी बड़ी संख्या में लोग उपस्थित है। यह इन्दौरवासियों की ऊर्जा और सामूहिक संकल्प शक्ति से शहर के लिए कुछ बेहतर करने की उनकी भावना को प्रकट करती है। सकारात्मक पहल के परिणाम सदैव बेहतर होते हैं। इंदौर इस मैराथन के माध्यम से स्वास्थ्य के क्षेत्र में रिकॉर्ड स्थापित करेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को

प्रातः 7 बजे वन इन्दौर-रन इन्दौर मैराथन के शुभारंभ अवसर पर उपस्थित इन्दौरवासियों को मुख्यमंत्री निवास भोपाल से वर्चुअली संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मैराथन के सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं देते हुए मैराथन का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि फिटनेस, सामूहिक चेतना और स्वास्थ्य जागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित वन इन्दौर-रन इन्दौर मैराथन का यह भव्य आयोजन इन्दौर शहर के लिए गर्व का विषय है। यह आयोजन यूनाइटेड इन्दौर की भावना को सशक्त करने वाला एक महत्वपूर्ण कदम है। इसका उद्देश्य इन्दौरवासियों में स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देना, सामुदायिक एकता को मजबूत करना और फिटनेस को एक जनआंदोलन का रूप देना है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि अपने शहर के लिए इतने संवेदनशील विषय पर आयोजित मैराथन में भौतिक नहीं पर भावनात्मक रूप से वे स्वयं भी शामिल हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रसन्नता का विषय है कि इस कार्यक्रम में 10 हजार से अधिक प्रतिभागियों ने पंजीयन कराया है। मैराथन की 3, 5 और 7 किलोमीटर रन की श्रेणियों में दौड़ने के लिए उनकी उपस्थिति इन्दौर की जागरुकता और उत्साह का प्रत्यक्ष प्रमाण है।

अमेरिकी बॉयकॉट के बावजूद जी-20 घोषणापत्र मंजूर

साउथ अफ्रीकी राष्ट्रपति ने ट्रम्प की मांग नहीं मानी, खाली कुर्सी को सौंपी मेजबानी

जोहान्सबर्ग (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के बॉयकॉट के बावजूद 20वीं जी 20 समिट के पहले दिन शनिवार को सदस्य देशों ने साउथ अफ्रीका के बनाए घोषणा पत्र को सर्वसम्मति से मंजूर कर लिया। साउथ अफ्रीकी राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा ने बताया कि सभी देशों का अंतिम बयान पर सहमत होना बेहद जरूरी था, भले ही अमेरिका इसमें शामिल नहीं हुआ। वहीं, ट्रम्प ने आखिरी सेशन में 2026 की मेजबानी लेने के लिए एक अमेरिकी अधिकारी को भेजने की बात कही थी। रॉयटर्स के मुताबिक, दक्षिण अफ्रीकी अध्यक्षता ने अमेरिकी अधिकारी को मेजबानी सौंपने के प्रस्ताव को नकार दिया। अफ्रीकी राष्ट्रपति रामफोसा ने जी 20 की अगली अध्यक्षता खाली कुर्सी को

सौंप दी। इस बार के जी 20 समिट में दो बड़ी परंपराएं टूट गई और यही वजह है कि यह बैठक ऐतिहासिक रूप से अलग मानी जा रही है। पहली परंपरा मेजबानी सौंपने की है। हर जी 20 समिट में पिछले साल की मेजबानी करने वाला देश, इस साल के मेजबानी देश को औपचारिक रूप से 'गवेल' (अध्यक्षता का प्रतीक) सौंपता है। यह एक लाइव सेरेमनी होती है, जिसमें दोनों देशों के नेता आमने-सामने मौजूद रहते हैं। इस बार अमेरिका की तरफ से राष्ट्रपति ट्रम्प शामिल नहीं हुए। 2024 में जी 20 की मेजबानी अमेरिका (सैन फ्रांसिस्को) ने की थी, इसलिए गवेल ट्रम्प को ही सौंपना था। लेकिन उनकी गैरहाजिरी की वजह से साउथ अफ्रीकी राष्ट्रपति ने खाली कुर्सी को मेजबानी सौंपने का ऐलान किया था। दूसरी बड़ी परंपरा घोषणापत्र से जुड़ी है। जी 20 समिट के अंत में सभी देश मिलकर एकमत से संयुक्त घोषणापत्र जारी करते हैं।

मोदी बोले-पुराने डेवलपमेंट मॉडल को बदलना जरूरी

पीएम मोदी ने जी 20 समिट के पहले दो सत्रों को संबोधित किया। पहले सेशन में उन्होंने वैश्विक चुनौतियों पर भारत का नजरिया दुनिया के सामने रखा। मोदी ने पुराने डेवलपमेंट मॉडल के मानकों पर दोबारा सोचने की अपील की। उन्होंने कहा- पुराने डेवलपमेंट मॉडल ने रिसोर्स छीने, इसे बदलना जरूरी है। वहीं समिट के दूसरे सत्र में पीएम ने भारत के श्री अन्न (मोटा अनाज), जलवायु परिवर्तन, जी 20 सैटेलाइट डेटा पार्टनरशिप और डिजास्टर रिस्क रिडक्शन पर बात की। पीएम मोदी ने कहा- जी 20 ने भले ही दुनिया की अर्थव्यवस्था को दिशा दी हो, लेकिन आज की ग्लोबल विकास मॉडल के पैरामीटर्स ने बड़ी आबादी को रिसोर्स से वंचित किया है और प्रकृति के दोहन को बढ़ावा दिया है। अफ्रीकी देशों पर इसका असर सबसे ज्यादा दिखता है।

कांग्रेस जिसके ऊपर बैठी, वह डूब गया

शिवराज बोले-शिव और मोहन में कोई अंतर नहीं

भोपाल। शिवराज सिंह ने कहा कि कांग्रेस तो अब ऐसा बोझ हो गई है कि जो पार्टी उसे लेकर चलती है, वह भी डूब जाती है। कांग्रेस जिसके ऊपर बैठ गई। हम तो डूबे हैं सनम, तुम्हें ले डूबेंगे। जहां-जहां पांव पड़े भैया के, वहा बंटाढार। दिल्ली में केजरीवाल, यूपी में अखिलेश और बिहार में लालू को ले डूबे। शिवराज सिंह चौहान रविवार को स्वास्थ्य केंद्र के लोकार्पण कार्यक्रम में गंजबासौदा पहुंचे थे। इस दौरान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गंजबासौदा में 150 बिस्तरीय सिविल अस्पताल का लोकार्पण किया। दोनों रविवार दोपहर एक ही हेलीकॉप्टर से नवीन कृषि उपज मंडी पहुंचे। इसके बाद रोड शो भी किया। सीएम ने 64 करोड़ 29 लाख की लागत से 26 विकास कार्यों का लोकार्पण किया।

85 करोड़ 84 लाख के 28 विकास कार्यों का भूमिपूजन किया। सीएम ने नर्सिंग और पैरा मेडिकल कॉलेज खोलने की घोषणा की। शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि सीएम डॉ. मोहन यादव का सहयोग मिला, तो विदिशा को आदर्श जिला बनाएंगे। उन्होंने सुझाव दिया कि बेतवा को परासरी नदी से जोड़ दिया जाए, तो यहां के किसानों को फायदा होगा। छोटी नदी जोड़ो प्रोजेक्ट बनाना चाहिए। आजकल तो बहनें सरकार बना रही हैं। बिहार में भी बहनों ने चमत्कार किया है। कांग्रेस के मित्र बड़े परेशान होंगे। शिवराज ने कहा कि भारत दुनिया की आंखों में आखें डालकर बात करता है।

'मुस्कान की टोकरी' ने पहले दिन ही दिखाया कमाल

भोपाल। ग्वालियर जिले में एएसपी अनु बेनीवाल द्वारा मुस्कान की टोकरी नाम से जो नवाचार किया गया। उसके पहले दिन काफी अच्छा रिस्पॉन्स नजर आया। मुस्कान की टोकरी जो कि महिलाओं संबंधी अपराध की शिकायतों के लिए शुरू की गई। उसने महिलाओं और युवतियां द्वारा बड़ी संख्या में पुलिस के इस नवाचार के लिए धन्यवाद दिया गया था। आईपीएस अनु बेनीवाल ने बताया कि इसके अलावा कुछ शिकायतें भी मिली जिनका तत्काल निराकरण कर दिया गया। दरअसल प्रदेश स्तर पर चल रहे महिला अपराध संबंधी अभियान में ग्वालियर में मुस्कान की टोकरी के नाम से नवाचार किया गया था। महिलाएं और युवतियां अपनी पहचान बताए बिना भी अपने साथ घटित हो रही घटनाओं को उसमें एक पत्र के माध्यम से पुलिस तक पहुंचा सकती है।

सरकार चाहती है भारत में मुस्लिम सिर न उठाएं

मौलाना मदनी के आरोप, कांग्रेस का मिला साथ

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में लाल किले के पास हुए विस्फोट की चल रही जांच के बीच जमीयत उलेमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना अरशद मदनी द्वारा भारत में मुसलमानों के खिलाफ भेदभाव के आरोपों पर तीखी राजनीतिक प्रतिक्रिया हुई है। मौलाना अरशद मदनी ने दावा किया कि भारत में मुसलमानों को निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने विदेशों में मुस्लिम नेताओं के उच्च पदों तक पहुंचने का उदाहरण दिया, लेकिन भारत में ऐसे पदों पर पहुंचने वालों को जेल भेज दिया जाता है। उन्होंने न्यूयॉर्क के मेयर-इलेक्ट जोहरान ममदानी और लंदन के मेयर सादिक खान का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि भारत में कोई मुस्लिम विश्वविद्यालय का कुलपति भी नहीं बन सकता और यदि कोई बनता है

तो उसे जेल भेज दिया जाता है, जिसका उदाहरण आजम खान हैं। उन्होंने अल-फलाह यूनिवर्सिटी में हो रही जांच का भी हवाला दिया। मदनी ने आरोप लगाया कि सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए अथक प्रयास कर रही है कि मुसलमान कभी सिर न उठाएं। भाजपा नेता यासिर जिलानी ने मदनी के बयानों की कड़ी आलोचना की। उन्हें भ्रमित करने वाला और गुमराह करने वाला बताया।

भोपाल में 26 नवंबर से 45वीं नेशनल जूनियर रोइंग चैम्पियनशिप

बड़ा तालाब में होगी वाटर स्पोर्ट्स एक्टिविटी, 8वीं इंटर स्टेट चैलेंजर्स भी होगी

भोपाल (नप्र)। भोपाल के बड़ा तालाब में 26 नवंबर से अगले 5 दिन तक वाटर स्पोर्ट्स एक्टिविटी होगी। यहां एक साथ दो बड़े राष्ट्रीय रोइंग इवेंट्स होंगे। जिसमें 8वीं इंटर स्टेट चैलेंजर्स और 45वीं जूनियर नेशनल रोइंग चैंपियनशिप शामिल हैं। प्रतियोगिताएं खेल विभाग कराएगा, जबकि रोइंग फेडरेशन ऑफ इंडिया सहयोग करेगा। दोनों ही चैम्पियनशिप में 23 स्टेट के 500 युवा हिस्सा लेंगे।

प्रतियोगिता में जूनियर एवं इंटर-स्टेट दोनों श्रेणियों में अत्याधुनिक रोइंग बोट्स के माध्यम से प्रतिभागी अपनी शारीरिक क्षमता, गति, कौशल और अनुशासन का प्रदर्शन करेंगे। ऊपरी झील के प्राकृतिक एवं अनुकूल जल क्षेत्र में प्रतियोगिता का आयोजन रोइंग खेल को नई ऊंचाई प्रदान करेगा।

अपर लेक बना प्रमुख खेल स्थल- अपर लेक पहले भी राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय वाटर स्पोर्ट्स इवेंट्स की सफल मेजबानी कर चुका है। इसी वजह से इसे रोइंग खेल के लिए आदर्श स्थल माना जाता है। इस बार भी बोट हाउस, वार्मअप जोन, सुरक्षा व्यवस्था, मेडिकल टीम और तकनीकी सुविधाओं सहित सभी तैयारियां पूरी की जा रही हैं। जिससे खिलाड़ियों और दर्शकों को बेहतर अनुभव मिल सके।

खेल क्षमताओं और पर्यटन को बढ़ावा- सरकार का प्रयास है कि इस प्रतियोगिता से खिलाड़ियों को प्रेरित करने के साथ मध्यप्रदेश की खेल क्षमताओं और आयोजक कौशल का मजबूत संदेश देशभर में जाए। आयोजन से युवा प्रतिभाओं को राष्ट्रीय मंच मिलेगा और राज्य में खेल पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा।

खेल एवं युवा कल्याण विभाग की पहल

खेल विभाग इस अंतरराज्यीय और राष्ट्रीय स्तर की चैंपियनशिप की मेजबानी कर रहा है। यह प्रदेश में जल खेलों को बढ़ावा देने की दिशा में एक बड़ा कदम है। विभाग का उद्देश्य अधिकतम युवाओं को रोइंग जैसे ओलंपिक खेलों से जोड़ना और खेल प्रतिभाओं को राष्ट्रीय मंच उपलब्ध कराना है।

चैंपियनशिप के लिए यह तैयारी

26 से 30 नवंबर तक चलने वाली इस चैंपियनशिप में स्पर्धाओं के लिए तकनीकी व्यवस्था, सुरक्षा इंतजाम, जलपथ चिह्नांकन और प्रतिभागियों की सुविधाएं पूरी तरह तय की गई है। आयोजन समिति ने प्रतियोगिताओं को अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप तैयार किया है। जिससे खिलाड़ियों को सर्वोत्तम प्रतिस्पर्धी वातावरण प्रदान किया जा सके।

भारतीय परम्परा में खेल, सामाजिक प्रबंधन और जीवन पद्धति का अभिन्न अंग

उच्च शिक्षा मंत्री ने बरकतउल्ला विश्वविद्यालय में 'खेल सृष्टि-भारतीय दृष्टि' विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी का किया शुभारम्भ

भोपाल, नप्र। भारतीय परम्परा में खेल, सामाजिक प्रबंधन और जीवन पद्धति का अभिन्न अंग था। हमारे पूर्वजों ने खेलों को हजारों वर्षों पूर्व स्थापित किया था और अतीत के उन कालखंडों में हम खेलों के क्षेत्र में अग्रणी थे। खेल के परिप्रेक्ष्य में भारतीय दृष्टि व्यापक थी। भारतीय दृष्टि में खेल, केवल मनोरंजन नहीं बल्कि शारीरिक और बौद्धिक विकास के माध्यम होते थे। मनुष्य के समग्र विकास की दृष्टि से भारत में खेल खेले जाते थे। यह बात उच्च शिक्षा मंत्री श्री इंदर सिंह परमार ने शनिवार को भोपाल के बरकतउल्ला विश्वविद्यालय के ज्ञान-विज्ञान भवन में क्रीड़ा भारती प्रदेश समिति द्वारा आयोजित 'खेल सृष्टि-भारतीय दृष्टि' विषय पर केंद्रित राष्ट्रीय संगोष्ठी का शुभारम्भ कर कही। मंत्री श्री परमार ने संगोष्ठी में 'भारतीय दर्शन में खेलों के पुरातन इतिहास एवं वर्तमान परिप्रेक्ष्य में खेलों में भारतीय दृष्टि के महत्व' के आलोक में अपने विचार व्यक्त किए।

उच्च शिक्षा मंत्री श्री परमार ने कहा कि विश्व एक परिवार है। 'वसुधैव कुटुंबकम्' का दृष्टिकोण विश्व को भारत की देन है। कोविड के संकटकाल में भारत ने आत्मानुशासन का पालन करते हुए, विश्व के विभिन्न देशों को निशुल्क वैक्सीन उपलब्ध करवाकर इसी दृष्टिकोण का सशक्त प्रमाण प्रस्तुत किया है। मंत्री श्री परमार ने कहा कि खेल के मैदानों से सेवा का संकल्प पूरा होगा। खेल से शरीर और मन स्वस्थ होता है और स्वस्थ मन से खिलाड़ी समाज में सेवा का संकल्प पूरा करेंगे और प्रेरणा का केंद्र बनेंगे। मंत्री श्री परमार ने संवेदना के साथ खेलों को आगे बढ़ाने और वैचारिक प्रवाह को सतत् जारी रखने का आह्वान भी किया।

उच्च शिक्षा मंत्री श्री परमार ने कहा कि राज्य सरकार ने विद्यालयों एवं महाविद्यालयों में, परंपरागत खेलों का समावेश किया है। मंत्री श्री परमार ने कहा कि हर खेल की अपनी अलग दृष्टि होती है। उन्होंने तीरंदाजी का उदाहरण देकर कहा कि इस खेल में एकाग्रता की आवश्यकता होती है। यह तीरंदाजी के खेल की अपनी विशिष्ट दृष्टि है। मंत्री श्री परमार ने कहा कि समय के सापेक्ष हमने विभिन्न विदेशी खेलों को भी हमने अपनाया है, जो भारतीयता के साथ आत्मसात करने की सीख देता है। मंत्री श्री परमार ने कहा कि क्रीड़ा भारती 'क्रीड़ा से निर्माण चरित्र का, चरित्र से निर्माण राष्ट्र का' के विचार को चरितार्थ कर रही है। मंत्री श्री परमार ने राष्ट्रीय संगोष्ठी के सफल आयोजन के लिए समिति को बधाई भी दी।

संगोष्ठी में मुख्य वक्ता के रूप में क्रीड़ा भारती श्री अशोक अग्रवाल ने कहा कि खेल से राष्ट्रीय एकता एवं सामाजिक सद्भाव सुदृढ़ होता है। खेलों में भारतीय दृष्टि केंद्रित शुचिता एवं चरित्र निर्माण की आवश्यकता हैं। संगोष्ठी का मुख्य उद्देश्य स्वदेशी, पारम्परिक एवं ग्रामीण खेलों को मुख्यधारा में लाने का प्रयास करना, खिलाड़ियों में खेल भावना, नैतिक आचरण और भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों के साथ खेल संस्कृति का विकास करना एवं खेलों के माध्यम से खिलाड़ी रूपी नागरिकों में भारतीय दृष्टि केंद्रित राष्ट्रीय चरित्र का निर्माण करना था।

क्रीड़ा भारती प्रदेश समिति के अध्यक्ष श्री दीपक सचेती, राष्ट्रीय नियामक मंडल सदस्य श्री भीष्म सिंह राजपूत, बरकतउल्ला विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. सुरेश कुमार जैन, कुलसचिव डॉ अनिल शर्मा एवं शारीरिक शिक्षा विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ आलोक मिश्रा सहित क्रीड़ा भारती के विभिन्न पदाधिकारीगण, खेल विधा से जुड़े विविध विषयविद, प्राध्यापकगण, क्रीड़ा अधिकारी एवं अन्य विद्वतजन उपस्थित थे।

एसआईआर प्रक्रिया मतदाता सूची के शुद्धिकरण का अभियान

बूथ स्तर पर पहुंचकर मतदाताओं को जागरूक करें पार्टी कार्यकर्ता : हितानंद

देवास/भोपाल। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश संगठन महामंत्री श्री हितानंद जी ने रविवार को देवास भाजपा कार्यालय में एसआईआर को लेकर बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि एसआईआर अभियान मतदाता सूची को स्वच्छ, शुद्ध एवं विश्वसनीय बनाने का माध्यम है। कोई भी वास्तविक मतदाता सूची से वंचित न रह जाए, इसके लिए भाजपा कार्यकर्ता बूथ स्तर पर पहुंचकर जनता को जागरूक करें। एसआईआर प्रक्रिया मतदाता सूची के शुद्धिकरण का अभियान है, इसे हमें बूथ स्तर पर पहुंचकर संपन्न करना है।

यह अभियान लोकतंत्र की सुरक्षा के लिए - भाजपा के प्रदेश संगठन महामंत्री श्री हितानंद जी ने कहा कि एसआईआर प्रक्रिया लोकतंत्र की सुरक्षा और पारदर्शिता सुनिश्चित करने वाला अत्यंत महत्वपूर्ण अभियान है। पार्टी कार्यकर्ता पूरी निष्ठा के साथ इस अभियान को सफल बनाने में जुट जाएं। भाजपा कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारी है कि वे एसआईआर की इस प्रक्रिया को पूर्ण पारदर्शिता और संकल्प के साथ सफल बनाएं। बूथ स्तर पर कार्यकर्ताओं की सक्रियता से मतदाता सूची का शुद्धिकरण अभियान निश्चित रूप से सफल होगा और लोकतंत्र की जड़ें और अधिक मजबूत होंगी। उन्होंने कहा कि यह अभियान 4 दिसंबर तक चलेगा और इस दौरान सभी कार्यकर्ताओं को पूरी निष्ठा और तत्परता के साथ कार्य करना है।

'यीशु की प्रार्थना नहीं की तो मर जाओगी'

50 महिलाओं का धर्मांतरण करा रहे थे पति-पत्नी, ग्रामीण बोले- धमकाकर-लालच देकर दबाव बनाया

आलीराजपुर (नप्र)। आलीराजपुर में अवैध धर्मांतरण का एक गंभीर मामला सामने आया है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि उन्हें लाखों रुपए की ठगी का शिकार बनाया जा रहा था, और 50 से अधिक महिलाओं का धर्मांतरण कराने का प्रयास किया जा रहा था। यह घटना शनिवार को सामने आई।

इस मामले के सामने आने के बाद आदिवासी समाज में तीव्र आक्रोश देखा गया। सैकड़ों ग्रामीण नानपुर थाने पहुंचे और विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने पुलिस से तत्काल कार्रवाई और पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच की मांग की।

ग्रामीण बोले- धर्मांतरण की कोशिशों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा- ग्रामीणों ने बताया कि उन्हें लालच देकर बहकाया जा रहा था। जब उन्होंने इन गतिविधियों का विरोध किया, तो पूरा मामला उजागर हुआ। प्रदर्शनकारियों ने स्पष्ट किया कि ऐसी धर्मांतरण की कोशिशों को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। नानपुर पुलिस ने धर्मांतरण कराने वालों के खिलाफ कार्रवाई की है। ग्राम राजावाट निवासी जानु पति बहादुर अवास्या ने एक लिखित शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के अनुसार, आरोपी परमबाई पति तेरसिंह अवास्या (निवासी खट्टाली रोड तिराहा नानपुर) ने उन्हें अपने घर बुलाया और बीमारी ठीक करने का लालच देकर ईसा मसीह की प्रार्थना करने का दबाव डाला।

धर्म परिवर्तन से इनकार पर ग्रामीणों को धमकी- ग्रामीण ने बताया कि जब उन्होंने खुद को हिंदू धर्म का बताते हुए इनकार किया, तो परमबाई ने उन्हें धमकी दी कि यदि वे ईसा मसीह की प्रार्थना नहीं करेंगी तो 'मर जाएंगी' और 'जान चली जाएगी'। इस धमकी से उनकी धार्मिक भावनाएं आहत हुई। फरियादी ने यह भी आरोप लगाया कि तेरसिंह (पास्टर) और उनकी पत्नी परमबाई पहले भी उन्हें धर्म बदलने के लिए प्रेरित करते रहे हैं।

पुलिस ने परमबाई पति तेरसिंह अवास्या और तेरसिंह पिता खजानसिंह अवास्या (पास्टर), दोनों निवासी खट्टाली रोड तिराहा नानपुर के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 196, 299, 351(3) और मध्यप्रदेश धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम, 2021 की धारा 5 के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

इंदौर
इंदौर, सोमवार 24 नवम्बर 2025
रणजीत टाइम्स

खांडेलवाल महिला मंडल के नेतृत्व में शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, जूनी इंदौर में आज स्कूल बैग, कॉपी और पेन का भव्य वितरण किया गया

इंदौर। कार्यक्रम का संचालन अध्यक्ष श्रीमती वर्षा मेठी, श्रीमती कृष्णा खांडेलवाल तथा श्रीमती उर्मिला रावत द्वारा किया गया। तीनों ने स्वयं बच्चों को बैग, कॉपी और पेन वितरित कर उनके उज्ज्वल भविष्य की हार्दिक शुभकामनाएँ दीं। इस पुनीत कार्य में श्रीमती उर्मिला जी रावत का विशेष और सराहनीय सहयोग रहा। उनकी निष्ठा, समर्पण और सेवाभाव ने इस पूरे कार्यक्रम को न केवल सफल बनाया बल्कि उसे एक प्रेरणादायी स्वरूप भी प्रदान किया।

क्या बदलने वाला है चंडीगढ़ का प्रशासन?

रणजीत टाइम्स

संविधान के आर्टिकल 240 को लेकर आम आदमी पार्टी (AAP) और शिरोमणि अकाली दल (SAD) समेत विपक्ष द्वारा उठाए गए सवालों पर केंद्रीय गृह मंत्रालय ने स्पष्टीकरण दिया है। मंत्रालय ने साफ किया कि चंडीगढ़ के लिए कानून निर्माण की प्रक्रिया को सरल बनाने संबंधी प्रस्ताव अभी केवल विचाराधीन है और इस पर कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया गया है। गृह मंत्रालय के अनुसार, इस प्रस्ताव का उद्देश्य सिर्फ प्रशासनिक प्रक्रिया को सरल करना है। इसमें न तो चंडीगढ़ की मौजूदा शासन-व्यवस्था में बदलाव की कोई बात है और न ही पंजाब या हरियाणा के साथ उसके पारंपरिक संबंधों को प्रभावित करने का कोई इरादा। मंत्रालय ने कहा कि चंडीगढ़ के हितों को प्राथमिकता देते हुए सभी संबंधित पक्षों से व्यापक चर्चा के बाद ही कोई उचित निर्णय लिया जाएगा। साथ ही यह भी स्पष्ट किया गया कि आगामी संसद के शीतकालीन सत्र में इस संबंध में किसी भी प्रकार का बिल लाने की सरकार की योजना नहीं है।

भव्य रैली के साथ महेश्वर में तीन दिवसीय निमाड़ उत्सव का हुआ शुभारंभ

खरगोन । देवी अहिल्या बाई किला परिसर महेश्वर में सांस्कृतिक और ऐतिहासिक विरासत का प्रतीक निमाड़ उत्सव का शुभारंभ 22 नवम्बर को भव्य रैली के साथ किया। एसडीएम सुश्री पूर्वा मंडलोई की उपस्थिति में विधायक श्री राजकुमार मेव ने रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली शासकीय सांदीपनि स्कूल से प्रारंभ होकर नगर के प्रमुख मार्गों से होती हुई घाट पर समाप्त हुई। शाम 07 बजे नर्मदा घाट पर खरगोन बड़वानी सांसद गजेन्द्र पटेल व महेश्वर विधायक राजकुमार मेव,जिला पंचायत अध्यक्ष अनुबाई तवर,मंडल अध्यक्ष विक्रम पटेल,नगर परिषद अध्यक्ष प्रतिनिधि गजराज यादव,महेश्वर जनपद अध्यक्ष अशोक डावर खरगोन कलेक्टर भव्य मित्तल द्वारा दीप प्रज्वलित करके कार्यक्रम का शुभारंभ किया,भक्ति संगीत सुप्रसिद्ध लखवीरसिंह लक्खा व साथीओ नई दिल्ली द्वारा प्रस्तुति दी गई।

थाना खनियाधाना पुलिस द्वारा अपराध क्रमांक 482/2025 धारा 137(2) बीएनएस मे ऑपरेशन मुस्कान के तहत नाबालिक बालिका को दस्तयाब कर आरोपी भूरा उर्फ हरेन्द्रपुरी गोस्वामी को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय पेश किया

रणजीत टाइम्स

पुलिस अधीक्षक शिवपुरी श्री अमन सिंह राठौड़ के निर्देशन में, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री संजीव मुले एवं एसडीओपी पिछोर श्री प्रशांत शर्मा के मार्गदर्शन में पुलिस मुख्यालय भोपाल द्वारा प्रदेश स्तर पर चलाये जा रहे विशेष अभियान " ऑपरेशन मुस्कान" के तहत थाना खनियाधाना पुलिस ने गुम नाबालिग बालिका को दस्तयाब कर आरोपी भूरा उर्फ हरेन्द्रपुरी पुत्र माधोपुरी गोस्वामी उम्र 19 साल निवासी ग्राम हरी थाना मायापुर जिला शिवपुरी को किया गिरफ्तार। दिनांक 14.11.2025 को फरियादी थाना खनियाधाना पर अपनी नबालिक लडकी की अपहृत होने की रिपोर्ट की थी जिस पर थाना खनियाधाना पर अपराध क्रमांक 482/2025 धारा 137(2) बीएनएस का कायम कर विवेचना में लिया गया।

मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराया गया, पुलिस अधीक्षक शिवपुरी श्री अमन सिंह राठौड़ द्वारा मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल एसडीओपी पिछोर को पुलिस मुख्यालय भोपाल द्वारा प्रदेश स्तर पर चलाये जा रहे विशेष अभियान "ऑपरेशन मुस्कान" के तहत गुम नाबालिग बालिका की दस्याताव करने एवं आरोपी की गिरफ्तारी के निर्देश दिए गये, एसडीओपी श्री प्रशान्त शर्मा के नेतृत्व में गुम नाबालिग बालिका एवं अज्ञात आरोपी की गिरफ्तारी हेतु अलग अलग टीमें घटित की गई, दिनांक 20.11.2025 को अपह्रता को दस्तयाब कर थाना खनियाधाना लाया गया व अपर्हता के महिला अधिकारी से कथन कराये गये एवं धारा 183 बीएनएसएस के अन्तर्गत माननीय न्यायलय मे भी कथन कराये गये बाद में अपर्हता को परिजनो को सुपुर्द किया गया। दौराने विवेचना अपराध सदर मे धारा 64, 87 बीएनएस एवं पॉक्सो एक्ट इजाफा की गई एवं आज दिनांक 21.11.2025 को आरोपी भूरा उर्फ हरेन्द्रपुरी पुत्र माधोपुरी गोस्वामी उम्र 19 साल निवासी ग्राम हुरी थाना मायापुर जिला शिवपुरी को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय पेश किया गया, आरोपी का जेल वारंट बनने से उप जेल पिछोर दाखिल किया गया।

इंदौर निवासी शासकीय सेवानिवृत्त बुजुर्ग दंपत्ति 3 दिन रहें डिजिटल अरेस्ट, साइबर सेल की खबर पढ़ने पर पुलिस से किया संपर्क

स्टेट साइबर सेल इंदौर द्वारा एक सेवानिवृत्त शासकीय मेडिकल ऑफिसर के डिजिटल अरेस्ट में करोड़ों की राशि खोने तथा तीन साइबर अपराधी पकड़े जाने की इंदौर के अखबारों में दिनांक 22/11/2025 को प्रकाशित खबर को पढ़ते ही, शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल से प्रिंसिपल पद से सेवानिवृत्त हुई महिला तथा बैंक से सेवानिवृत हुए उनके पति द्वारा तत्काल स्टेट साइबर सेल के पुलिस अधीक्षक से संपर्क कर, पिछले तीन दिन से इसी घटनाक्रम से गुजरते हुए, अपराधियों द्वारा लगातार कैमरे की निगाह में रखकर डिजिटल अरेस्ट की व्यथा बताई गई। स्टेट साइबर सेल इंदौर की महिला निरीक्षक श्रीमती सरिता सिंह एवं उप निरीक्षक आशीष जैन द्वारा दंपति के निवास पर तत्काल पहुंचकर बुजुर्ग दंपत्ति को तत्काल साइबर अपराधियों द्वारा कैमरे की निगाह में रखें जाने की कार्रवाई बंद करवाई तथा मोबाइल डिवाइस की सेटिंग में संदिग्ध नंबर ब्लॉक करवाते हुए, एनसीआरपी वेबसाइट पर रिपोर्ट करवाई गई।

घटना विवरणः- इंदौर में एयरपोर्ट के निकट एक पोश कॉलोनी में रिटायरमेंट के बाद रहने वाले वरिष्ठ नागरिक एवं उनकी पत्नी, जो कि दोनों क्रमशः बैंक एवं शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल में कार्यरत रह चुके थे, को पिछले कई दिनों से अनजान नंबरों से कॉल आ रहे थे तथा कॉलर सीबीआई के पुलिस अधिकारी होना बता रहे थे तथा इन दंपति के आधार कार्ड की कुछ जानकारी दे रहे थे। शुरू में, इन्होंने कॉलर की बातों पर ध्यान नहीं दिया पर 3 दिन पहले कॉलर ने बताया कि वह बहुत ही बड़ी मुश्किल में फंसने वाले हैं तथा सीबीआई की टीम उनके घर पहुंच कर उन दोनों को गिरफ्तार करके मुंबई ले जाएगी क्योंकि उनके आधार कार्ड का उपयोग, केनरा बैंक मुंबई में एक खाता खोलने में किया गया है तथा उसमें में करोड़ों की राशि के ट्रांजैक्शन हुए हैं तथा 10% के हिसाब से, अपने आधार कार्ड से खाता खुलवाने के एवज में अवैध कमीशन इन बुजुर्ग दंपत्ति द्वारा लिए जाने का आरोप तथाकथित सीबीआई अफसर ने लगाया। वीडियो कॉलिंग करके इनको पुलिस एवं कोर्ट का दृश्य दिखाया गया तथा 24 घंटे कैमरा चालू रखने की हिदायत दी गई। दंपति द्वारा भयभीत होकर उनकी कहीं बातों का पालन किया गया। दूसरे दिन जब बेडरूम की साफ सफाई करने घरेलू कार्य करने वाली महिला आई तो साइबर अपराधियों द्वारा दंपति को फटकार लगाई गई कि उस कमरे में किसी को भी आने की अनुमति नहीं है । राज्य सायबर पुलिस को सूचना मिलते ही पुलिस तत्काल मोंके पर पहुँची, जैसे ही पुलिस वर्दी में महिला निरीक्षक को उन्होंने अपनी स्क्रीन पर देखा तो कैमरा बंद कर दिया और मुंबई पुलिस का लोगो स्क्रीन पर डिस्प्ले कर दिया, असली पुलिस को सामने देख थोड़ी देर में सायबर अपराधियों ने घबराकर फोन डिसकनेक्ट कर दिया।

संपादकीय | सुको ने दिया राज्यपालों को बड़ा संदेश

राज्यों की विधानसभा में पारित विधेयकों को लेकर राज्यपाल और राष्ट्रपति की स्वीकृति के मसले पर सुप्रीम कोर्ट ने जो व्यवस्था दी है, उसे देश के संघीय ढांचे में शक्ति संतुलन के लिए राह निकालने की कोशिश के रूप में देखा जा सकता है। इसे लेकर काफी समय से स्पष्टता की जरूरत महसूस की जा रही थी कि अगर विधानसभा में किसी विधेयक को पारित कर दिया गया है तो राज्यपाल उसे मंजूरी देने को लेकर कितना समय ले सकते हैं।

तमिलनाडु में यह मुद्दा ज्यादा मुखर रूप में सामने आया, जहां राज्य की द्रमुक सरकार और राज्यपाल नीतिगत मामलों को लेकर आमने-सामने देखे गए। इसी संदर्भ में स्पष्टता के लिए राष्ट्रपति ने संविधान के अनुच्छेद 143 के तहत सुप्रीम कोर्ट से सलाह मांगी थी। अब शीर्ष अदालत ने कहा है कि वह राज्य विधानसभाओं से पारित विधेयकों को मंजूरी देने के मामले में राज्यपाल और राष्ट्रपति के लिए समयसीमा तय नहीं कर सकती।

मगर अदालत ने यह भी कहा कि राज्यपाल विधानसभा से पारित हुए विधेयकों को अनंतकाल तक अपने पास लटकाए नहीं रख सकते। लंबे समय तक देरी या बिना वजह बताए रोके रखने के मामलों में अदालतें राज्यपाल के विधेयकों पर निर्णय लेने के लिए सीमित निर्देश जारी कर सकती हैं।

जाहिर है, अदालत ने समयसीमा निर्धारित करने के सवाल पर राज्यपाल और राष्ट्रपति के अधिकारों के मामले में एक तरह से शक्तियों के पृथक्करण के सिद्धांत को ध्यान में रखा है, लेकिन साथ ही संघीय ढांचे की अहमियत को दर्ज करते हुए स्थिति स्पष्ट की है कि राज्यपाल पारित विधेयकों को अनिश्चितकाल तक रोके रखने की छूट नहीं ले सकते। इस तरह देखें तो कहा जा सकता है कि राज्य में निर्वाचित सरकार ही मुख्य भूमिका में होगी और सत्ता के दो केंद्र नहीं हो सकते। दरअसल, अनेक मौकों पर ऐसे विवाद सामने आते रहे हैं कि जिन राज्यों में विपक्षी दलों की सरकारें हैं, वहां विधानसभा में पारित होने के बावजूद विधेयकों को मंजूरी देने के मामले में राज्यपाल नाहक देरी करते हैं या फिर बिना वजह बताए पारित विधेयकों को रोके रखते हैं। तमिलनाडु में इस विवाद ने तूल पकड़ लिया था। इसके अलावा, पश्चिम बंगाल, कर्नाटक, तेलंगाना और केरल जैसे राज्यों में भी कम से कम तैंतीस विधेयकों के विधानसभा से पारित होने की खबरें आई हैं, जो राज्यपाल या राष्ट्रपति की स्वीकृति के लिए लंबित हैं। इसमें कोई दोराय नहीं है कि अगर किसी राज्य में विधानसभा ने एक विधेयक को उचित प्रावधानों का पालन करते हुए पारित किया है तो जनहित के मद्देनजर उस पर राज्यपाल की स्वीकृति मिलनी चाहिए। अगर नियमों की कसौटी या अन्य आधार पर विधेयक में कोई तकनीकी त्रुटि है, तो उसकी वजह बता कर उसे वापस करना या प्रक्रिया को आगे बढ़ाने का विकल्प अपनाना चाहिए।

मगर बिना किसी मजबूत आधार या स्पष्टता के किसी विधेयक को जरूरत से ज्यादा वक्त तक लंबित रखा जाता है तो उसकी अहमियत कम भी हो सकती है। इससे राज्य और संघ के बीच नाहक टकराव की स्थिति भी बन सकती है, क्योंकि कई बार राज्यपाल पर केंद्र सरकार के इशारे पर काम करने का आरोप लगता रहा है।

भारत की सबसे खतरनाक नौकरी का अंत शुरू...

भारत में भी अब कृत्रिम मेधा पर आधारित रोबोट विकसित किए गए हैं, जो सीवर की नालियों में उतरकर सफाई कर सकते हैं। यह रोबोट कैमरे एवं सेंसर की मदद से गंदगी और रुकावट का पता लगाता है तथा मशीनी हाथों से सफाई करता है। इस तकनीक का प्रयोग अब तिरुवनंतपुरम, चेन्नई, लखनऊ और पटना जैसे शहरों में किया जा रहा है। इससे न केवल लोगों की जानें बची हैं, बल्कि यह भी सिद्ध हुआ है कि सफाई गरिमा के साथ भी की जा सकती है। दरअसल, कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित निगरानी प्रणाली सीवर की नालियों में लगे सेंसर के माध्यम से पानी का प्रवाह, गैस का स्तर और दबाव की जानकारी एकत्र करती है। इन आंकड़ों का विश्लेषण मशीन लर्निंग प्रणाली द्वारा किया जाता है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग केवल सफाई तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके माध्यम से सफाई कर्मचारियों को प्रशिक्षण और पुनर्वास के अवसर भी मिल सकते हैं।

मनीष जैसल

भारत की चमकती सड़कों, ऊंची इमारतों और 'स्मार्ट' शहरों की योजनाओं के पीछे एक कड़वी सच्चाई छिपी है। देश के कई हिस्सों में आज भी हजारों लोग सीवर और नालियों में उतरकर अपने हाथों से सफाई करने को मजबूर हैं। ऐसे में कई बार जहरीली गैस की वजह से सफाई कर्मियों को अपनी जान से भी हाथ धोना पड़ता है। यह पेशा नहीं, बल्कि समाज में असमानता और भेदभाव का जीवंत प्रतीक है।

देश में कभी-कभी सफाई कर्मचारियों को वर्ष में दो-चार मौकों पर किसी सरकारी समारोह में सम्मानित किया जाता है। ऐसा करके यह दिखाया जाता है कि सरकार उनकी मेहनत और योगदान के महत्व को मानती है, लेकिन वास्तविकता यह है कि कुछ मिनटों का यह सम्मान उनके लिए स्थायी सुरक्षा, गरिमा या बेहतर जीवन की गारंटी नहीं देता है। असली गरिमा तो तब आएगी, जब उनके काम करने के तरीके में बदलाव होगा, उन्हें खतरनाक और अमानवीय परिस्थितियों में नहीं, बल्कि सुरक्षित और सम्मानजनक तरीके से काम करने और जीने का अवसर मिलेगा। कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस' तकनीक का इस्तेमाल इसमें अहम भूमिका निभा सकता है।

हर वर्ष देश में सैकड़ों सफाई कर्मचारी सीवर के गड्ढों और नालियों में दम घुटने, जहरीली गैस या करंट लगने से अपनी जान गंवा देते हैं। सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के अनुसार, वर्ष 2018 से 2023 के बीच चार सौ से अधिक लोगों की मृत्यु सीवर की सफाई के दौरान हुई। राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग का मानना है कि यह संख्या वास्तविकता से कहीं कम है, क्योंकि कई मौतें दर्ज नहीं हो पातीं। इन मृतकों में आमतौर पर दलित समुदाय के लोग होते हैं, जिन्हें सदियों से इस कार्य में धकेला गया है। यह स्थिति हमें सोचने पर मजबूर करती है कि क्या हम वास्तव में उस भारत में रह रहे हैं, जिसने अपने संविधान में समानता और गरिमा का वादा किया था।

भारत का संविधान हर नागरिक को समानता, स्वतंत्रता और गरिमा का अधिकार देता है। अनुच्छेद-14 कहता है कि सभी नागरिक कानून की दृष्टि में समान हैं। अनुच्छेद-17 में अस्पृश्यता को समाप्त किया गया है और इसे किसी भी रूप में लागू करने या मानने को अपराध बताया गया है। वहीं अनुच्छेद-21 हर व्यक्ति को जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अधिकार देता है, जिसका अर्थ केवल जीवित रहना नहीं, बल्कि गरिमापूर्ण जीवन जीना भी है। यही संविधान का नैतिक आधार है।

वर्ष 2013 में केंद्र सरकार ने 'हाथ से मैला ढोने वाले कर्मचारियों के रोजगार प्रतिषेध और उनका पुनर्वास अधिनियम' लागू किया। इस कानून का उद्देश्य हाथ से मैला ढोने की प्रथा को समाप्त करना तथा इससे जुड़े लोगों को वैकल्पिक रोजगार, शिक्षा और सम्मानजनक जीवन देना था। मगर यह दुखद है कि कानून बनने के बावजूद यह अमानवीय प्रथा अब भी जारी है। इसका कारण केवल प्रशासनिक लापरवाही नहीं, बल्कि सामाजिक मानसिकता की गहरी जड़ें हैं, जो सफाई के काम को एक खास वर्ग से जोड़कर देखती है।

जब भी किसी इलाके में सीवर की नाली जाम होती है, तो मशीनों की बजाय किसी सफाई कर्मी को नीचे भेजा जाता है। वह भी बिना सुरक्षा उपकरण, बिना प्रशिक्षण और बिना जीवन की गारंटी के। अब समय आ गया है कि इस समस्या को केवल कानून या नैतिकता से नहीं, बल्कि विज्ञान और तकनीक की मदद से समाप्त करने के प्रयास किए जाएं। आज कृत्रिम बुद्धिमत्ता का युग है। यह वह तकनीक है, जो मशीनों को मानव जैसी समझ, निर्णय क्षमता और सीखने की योग्यता देती है। इसका सही उपयोग हाथ से मैला साफ करने जैसी अमानवीय प्रथा को खत्म करने में क्रांतिकारी भूमिका निभा सकता है।

भारत में भी अब कृत्रिम मेधा पर आधारित रोबोट विकसित किए गए हैं, जो सीवर की नालियों में उतरकर सफाई कर सकते हैं। यह रोबोट कैमरे एवं सेंसर की मदद से गंदगी और रुकावट का पता लगाता है तथा मशीनी हाथों से सफाई करता है। इस तकनीक का प्रयोग अब तिरुवनंतपुरम, चेन्नई, लखनऊ और पटना जैसे शहरों में किया जा रहा है। इससे न केवल लोगों की जानें बची हैं, बल्कि यह भी सिद्ध हुआ है कि सफाई गरिमा के साथ भी की जा सकती है।

दरअसल, कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित निगरानी प्रणाली सीवर की नालियों में लगे सेंसर के माध्यम से पानी का प्रवाह, गैस का स्तर और दबाव की जानकारी एकत्र करती है। इन आंकड़ों का विश्लेषण मशीन लर्निंग प्रणाली द्वारा किया जाता है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग केवल सफाई तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके माध्यम से सफाई कर्मचारियों को प्रशिक्षण और पुनर्वास के अवसर भी मिल सकते हैं। उन्हें मशीन संचालन, डेटा विश्लेषण और तकनीकी प्रबंधन जैसे कार्यों में प्रशिक्षित किया जा सकता है, ताकि उनका जीवन सुरक्षित और सम्मानजनक बन सके।

दुनिया के कई देशों ने यह साबित कर दिया है कि सीवर की सफाई इंसान की जान जोखिम में डाले बिना भी संभव है। जापान में 'पाइप रोवर' और 'क्रोबोस' नामक रोबोट पाइपलाइन की गहराइयों में जाकर कैमरे और सेंसर की मदद से सफाई करते हैं। दक्षिण कोरिया में 'सीवर बाट' नामक तकनीक कृत्रिम बुद्धिमत्ता के माध्यम से सीवर व्यवस्था की स्थिति की निगरानी करती है और खतरे के समय चेतावनी देती है। सिंगापुर में पूरे सीवर तंत्र को स्मार्ट सेंसर और स्वचालित मशीनों से नियंत्रित किया जाता है, जिससे किसी इंसान को नालियों या गड्ढों में उतरना नहीं पड़ता। लंदन और एम्स्टर्डम जैसे शहरों में ड्रोन एवं कैमरे पाइपलाइन का नियमित निरीक्षण करते हैं।

इन देशों ने यह दिखाया है कि अगर इच्छाशक्ति और कारगर योजना हो, तो सफाई भी सुरक्षित एवं मानवीय तरीके से की जा सकती है। भारत में भी यदि सरकार और नगरपालिकाएं ऐसे तकनीकी समाधान अपनाएं, तो हाथ से मैला साफ करने की प्रथा को हमेशा के लिए समाप्त किया जा सकता है। प्रत्येक नगर निकाय में रोबोटिक सफाई प्रणाली अनिवार्य की जानी चाहिए। सरकार को इस दिशा में अनुसंधान करने वाले नवाचार केंद्रों और निजी संस्थाओं को सहयोग एवं आर्थिक सहायता देनी चाहिए। 'स्वच्छ भारत मिशन' का अगला चरण केवल साफ-सफाई तक सीमित न रहकर 'गरिमा मिशन' होना चाहिए, जहां उद्देश्य सफाई करने वाले की गरिमा की रक्षा करना भी हो। हाथ से मैला साफ करना केवल श्रम का नहीं, बल्कि मानवाधिकार और सामाजिक न्याय का भी प्रश्न है। इसे समाप्त करना हमारी नैतिक और संवैधानिक जिम्मेदारी है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता हमें यह अवसर देती है कि हम एक ऐसे भारत की कल्पना करें, जहां कोई व्यक्ति केवल अपने विशेष वर्ग या जाति के कारण हाथ से मैला साफ करने को मजबूर न हो। जब मशीनें सफाई करेंगी, तब इंसान को उस अपमान, भय और असमानता से मुक्ति मिलेगी, जो पीढ़ियों से उसका पीछा कर रही है। मानवता को अपमान से मुक्त करना, गरिमा को पुनर्स्थापित करना और संविधान के उस वादे को साकार करना जरूरी है, जो कहता है कि हर व्यक्ति समान है और हर किसी को सम्मानपूर्वक जीवन जीने का अधिकार है। जब कोई भी नागरिक अपने विशेष वर्ग या जाति के कारण नहीं, बल्कि अपनी योग्यता और गरिमा के आधार पर पहचाना जाएगा, तभी यह भी कहा जा सकेगा कि भारत सचमुच में स्वच्छता और सम्मान के मामले में एक संवेदनशील राष्ट्र है।

पहले किसी प्रोजेक्ट पर इतना अच्छा रिस्पॉन्स नहीं मिला

'द फैमिली मैन 3' में अपने किरदार पर बोलीं निमरत

अभिनेत्री निमरत कौर ने 'द फैमिली मैन 3' में अहम किरदार निभाया है। उन्होंने अपने किरदार के बारे में कई बातें बताई हैं। मनोज बाजपेयी की अदाकारी वाली वेब सीरीज 'द फैमिली मैन 3' शुक्रवार को प्राइम वीडियो पर रिलीज हो चुकी है। अभिनेत्री निमरत कौर ने इस सीरीज में अहम रोल अदा किया है। अपने रोल के बारे में उन्होंने कई बातें कही हैं। उनके मुताबिक 'द फैमिली मैन' के नए सीजन में मीरा की भूमिका निभाना एक रोमांचक मौका था। कौर ने फिल्म 'द लंचबॉक्स', 'एयरलिफ्ट' और 'दसवीं' में बेहतरीन अभिनय किया है। निमरत कौर 'द फैमिली मैन 3' में श्रीकांत तिवारी (मनोज बाजपेयी) की दुश्मन हैं। जयदीप अहलावत के साथ उन्होंने विलेन का रोल किया है। अपने किरदार के बारे में निमरत ने कहा 'वह एक कड़वी चॉकलेट है, एक कैरेक्टर के तौर पर बहुत स्वादिष्ट है। वह आम इंसान की पहुंच से दूर है। कौर ने आगे कहा कि उन्हें अपने किसी भी आने वाले प्रोजेक्ट पर इतना अच्छा रिएक्शन कभी नहीं मिला, जितना उन्हें तब मिला जब उन्होंने बताया कि वह 'द फैमिली मैन 3' का हिस्सा हैं।

हरियाणा में रौला गाने पर सपना चौधरी का किलर डांस देख फैंस फिदा, हार्ट इमोजी से लुटाया प्यार

हरियाणवी लोक कलाकार और डांसर सपना चौधरी दो बच्चों की मां हैं, लेकिन उनकी लोकप्रियता जितनी शादी से पहले थी, उससे कहीं ज्यादा अब है। आलम ये है कि उनकी लोकप्रियता सिर्फ हरियाणा तक सीमित नहीं है। पंजाब, उत्तर प्रदेश और बिहार में भी फैंस उनके डांस मूव्स के दीवाने हैं। इस बीच सपना चौधरी ने इंस्टाग्राम पर ऐसा वीडियो शेयर किया है, जिसे देखने के बाद खुद को डांस करने से रोकना नामुमकिन सा है। उन्होंने अपने तीन दिन पहले रिलीज हुए गाने 'हरियाणा में रौला' पर ठुमके लगाए हैं। डांसर घाघरा-कुर्ती में सज-धज कर अपने जानलेवा एक्सप्रेशन और किलर डांस मूव्स से तारीफें बटोर रही हैं। फैंस भी हार्ट इमोजी पोस्ट कर उन पर प्यार लुटा रहे हैं। सपना चौधरी अपने बैक-टू-बैक गानों से सोशल मीडिया पर छाई हैं। बीते 15 दिन में उनके 6 गाने रिलीज हो चुके हैं। 6 गाने अलग-अलग बैनर के तले शूट किए गए हैं और फैंस को बहुत पसंद आ रहे हैं। इसमें 'मरजानी', 'जुल्फी', 'लव यू मेरी सासू की', 'मौसम बना दूं मैं', और 'आंख दुनाली' जैसे गाने शामिल हैं। डांसर के सभी गाने वेडिंग सीजन की जान होते हैं।

यशराज की एक्शन फिल्म में हुई ऐश्वर्य ठाकरे की एंट्री

यशराज फिल्म्स की अगली बड़ी एक्शन-रोमांस फिल्म इन दिनों जबरदस्त सुर्खियों में है। वजह है शिवसेना संस्थापक बालासाहेब ठाकरे के पोते ऐश्वर्य ठाकरे का इस फिल्म में एंट्री करना। खास बात यह है कि ऐश्वर्य पहली बार बड़े पर्दे पर कदम रख रहे हैं- वह भी सीधे विलेन के रूप में। उनकी टक्कर होगी नए जमाने के उभरते सितारे अहान पांडे से, जबकि शरवरी वाघ फिल्म की मुख्य अभिनेत्री होंगी। निर्देशन की कमान संभाल रहे हैं बड़े कैनवस वाली फिल्मों के लिए मशहूर अली अब्बास ज़फर। फिल्म इंडस्ट्री में हर बार किसी नए चेहरे की एंट्री होती है, तो दर्शकों में उत्सुकता बढ़ जाती है। लेकिन इस बार मामला कुछ खास है, क्योंकि ऐश्वर्य ठाकरे का लॉन्च सीधे बड़े पैमाने की फिल्म में, एक मजबूत नेगेटिव किरदार के रूप में हो रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक फिल्म में उनका किरदार सिर्फ विरोधी नहीं, बल्कि कहानी की पूरी दिशा तय करने वाला बताया जा रहा है। वहीं अहान पांडे, जिन्हें हाल ही में 'सैयारा' से युवाओं में जबरदस्त पहचान मिली, इस फिल्म के हीरो हैं।

5 डॉक्टरों ने जुटाए 26 लाख रुपये, कई शहरों में धमाके की साजिश

दिल्ली ब्लास्ट को लेकर खुलासा

नई दिल्ली, एजेंसी।
व्हाइट कॉलर टेरर मॉड्यूल केस के मुख्य आरोपी मुजम्मिल गनी ने एनआईए की पूछताछ में कई खुलासे किए हैं। उसने बताया कि 5 डॉक्टरों ने मिलकर 26 लाख रुपये की फंडिंग जुटाई थी, ताकि देश के कई शहरों में एक साथ बड़े आतंकी हमले किए जा सकें। इस नेटवर्क ने करीब दो साल विस्फोटक सामग्री और रिमोट ट्रिगर डिवाइस जुटाने में लगाए। अधिकारियों के मुताबिक, गनी ने कबूल किया कि उसने खुद 5 लाख रुपये दिए थे। आदिल अहमद राथर ने 8 लाख रुपये और उनके भाई मुजफ्फर अहमद राथर ने 6 लाख रुपये दिए। शाहीन शाहिद ने 5 लाख रुपये और डॉ. उमर उन-नबी मोहम्मद ने 2 लाख रुपये का योगदान दिया। पूरी रकम उमर को सौंपी गई थी, जिससे यह संकेत मिलता है कि हमले को अंजाम देने की जिम्मेदारी उसी के पास थी।

मुजम्मिल गनी ने कबूल किया कि उसने गुरुग्राम और नूह से करीब 3 लाख रुपये में 26 क्विंटल एनपीके फर्टिलाइजर खरीदा था। एनआईए अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया। उन्होंने कहा, गनी पर फर्टिलाइजर और अन्य केमिकल जुटाने की जिम्मेदारी थी। ये लोग रातोंरात विस्फोटक नहीं बना रहे थे, बल्कि बहुत सोची-समझी योजना के तहत काम कर रहे थे। यह फर्टिलाइजर उमर उन-नबी की निगरानी में विस्फोटक में बदली गई। उमर ने ही रिमोट डेटोनेटर और सर्किटरी का इंतजाम किया था। जांचकर्ताओं के अनुसार, अमोनियम नाइट्रेट और यूरिया भी

बड़ी मात्रा में जमा किया गया था। हमले को लेकर जिम्मेदारियों का साफ बंटवारा किया गया था। तकनीकी चीजें उमर देख रहा था।

रिपोर्ट के मुताबिक, अब तक तीन डॉक्टर (मुजम्मिल गनी, शाहीन शाहिद और आदिल राथर) गिरफ्तार किए जा चुके हैं। आदिल के भाई मुजफ्फर राथर पर भी नेटवर्क का हिस्सा होने का शक है। वह फिलहाल अफगानिस्तान में बताया जा रहा है। अल-फलाह मेडिकल कॉलेज में उमर, गनी और शाहिद के साथ काम करने वाले निसार उल-हसन की तलाश भी जारी है। बताया जा रहा है कि 10 नवंबर को लाल किले के बाहर ह्युंडई आइ20 कार में रखे विस्फोटकों को उमर ने ही डेटोनेट किया था। एनआईए अधिकारी ने बताया कि आरोपी का कबूलनामा पहले बिखरे पड़े सुरागों को जोड़ने में बहुत मददगार साबित हुआ। उन्होंने कहा, जितनी मात्रा में सामग्री बरामद हुई है, उससे साफ है कि ये सिर्फ एक हमले की नहीं, बल्कि कई शहरों में सिलसिलेवार धमाकों की योजना थी। इतनी बड़ी मात्रा एक ही धमाके के लिए नहीं हो सकती।

लाल किला ब्लास्ट में कई नए खुलासे

आईएसआईएस और अलकायदा को लेकर आतंकियों में थे मतभेद

नई दिल्ली, एजेंसी।
लाल किला कार बम विस्फोट मामले की जांच में खुलासा हुआ है कि जैश-ए-मोहम्मद आतंकी मॉड्यूल के सदस्यों के बीच विचारधारा, वित्त और हमले के तरीके को लेकर गंभीर मतभेद थे। आत्मघाती हमलावर डॉ. उमर उन नबी इस गुट के अन्य सदस्यों से अलग राय रखता था, जिसके चलते उसने अक्टूबर की शुरुआत में अपने साथी अदील राथर की शादी में भी शिरकत नहीं की थी। जांच एजेंसियों के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी मुजम्मिल गनई, अदील राथर और मुफ्ती इरफान वागे अक्सर उमर के विचारों से सहमत नहीं होते थे।

उमर नबी का झुकाव आईएसआईएस की विचारधारा की ओर था, जिसका लक्ष्य खिलाफत स्थापित करना और करीबी दुश्मन को निशाना बनाना होता है। उमर ने कथित तौर पर कश्मीर में खुद को बुरहान वानी और जाकिर मूसा की आतंकवादी विरासत का उत्तराधिकारी माना। बाकी गुट अल-कायदा की विचारधारा की ओर अधिक झुकाव रखता था, जो पश्चिमी संस्कृति और दूर के दुश्मनों पर हमला करने पर जोर देता है। वागे को छोड़कर, समूह के सदस्यों ने पहले अफगानिस्तान जाने की कोशिश की थी, लेकिन विफल रहे। इसके बाद उन्होंने घर पर ही लक्ष्य खोजने का फैसला किया। गुट के भीतर एक और विवाद का विषय धन के उपयोग पर उमर की जवाबदेही की कमी थी। सूत्रों के अनुसार, धन का एक बड़ा हिस्सा शाहीन शाहिद अंसारी से आया था, जो गनई का अल फलाह विश्वविद्यालय में सहयोगी थी और गिरफ्तार आरोपियों में से एक है। जांच से पता चला है कि डॉ. शाहीन शाहिद ने कथित तौर पर संगठित क्राउडफंडिंग के माध्यम से लगभग 20 लाख जुटाए थे और उसे जेएम के महिला भर्ती विंग जमात-उल-मोमिनात से जोड़ा गया था। जांच एजेंसियों को संदेह है कि उसने फरीदाबाद के लिए धन और संसाधन जुटाने में मदद की।

छिन सकता है अल फलाह यूनिवर्सिटी का माइनॉरिटी स्टेटस, किसने थमाया शोकॉज नोटिस?

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली ब्लास्ट के बाद से जांच में केंद्र में रही अल फलाह यूनिवर्सिटी के माइनॉरिटी स्टेटस पर भी अब खतरे के बादल उमड़ आए हैं। हमारे सहयोगी हिंदुस्तान टाइम्स को मिली जानकारी के अनुसार, राष्ट्रीय अल्पसंख्यक शैक्षणिक संस्थान आयोग (हृष्टस्श्चद्ब) ने अल–फलाह मेडिकल कॉलेज के अल्पसंख्यक दर्जे को लेकर एक कारण बताओ नोटिस जारी किया है। इससे पहले, 12 नवंबर को राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (ह्रष्ट) ने भी मान्यता से जुड़े दावों को लेकर कॉलेज को नोटिस जारी किया था। नोटिस का कारण हृष्टस्श्चद्ब ने यूनिवर्सिटी से पूछा है कि उनका अल्पसंख्यक दर्जा क्यों न रद्द कर दिया जाए। यह कदम तब उठाया गया है जब जांचकर्ताओं ने 10 नवंबर को लाल किले में हुए धमाके में शामिल दो व्यक्तियों का संबंध इस संस्थान से पाया है। ट्रस्ट के ढांचे, फंडिंग (पैसे) के स्रोतों, नियुक्ति की प्रक्रियाओं और राष्ट्रीय अल्पसंख्यक शैक्षणिक संस्थान आयोग अधिनियम, 2004 के नियमों के पालन से जुड़े दस्तावेज मांगे गए हैं। आयोग ने ट्रस्ट डीड, मैनेजमेंट की संरचना, एडमिशन के आंकड़े, शिक्षकों की नियुक्तियां, गवर्निंग बॉडी की बैठकों के विवरण और पिछले तीन सालों के वित्तीय विवरण के मूल रिकॉर्ड भी मांगे हैं।

तापमान में आएगी ज्यादा गिरावट

कड़ाके की ठंड दे रही दस्तक

नई दिल्ली, एजेंसी।
देश के कई हिस्सों में ठंड बढ़ती जा रही है। इस बीच, बारिश के भी आसार नजर आ रहे हैं। भारत मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, चक्रवाती सर्कुलेशन के प्रभाव से एक निम्न दाब क्षेत्र बन गया है। यह सिस्टम उत्तर-पश्चिम दिशा में बढ़ते हुए 24 नवंबर तक बंगाल की खाड़ी पर अवसाद में बदलेगा। अगले 48 घंटों में इसके और मजबूत होने की संभावना है। इसके प्रभाव से अंडमान-निकोबार द्वीप समूह में 27 नवंबर तक भारी बारिश होने की संभावना है, जिसमें 24 और 25 नवंबर को कुछ स्थानों पर अति भारी बारिश हो सकती है। तमिलनाडु में 23 से 25 नवंबर, केरल में 23 से 26 नवंबर और लक्षद्वीप में 23 नवंबर को भारी बारिश की चेतावनी है। तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, केरल, लक्षद्वीप और दक्षिण कर्नाटक के कई हिस्सों में 26 नवंबर तक गरज-चमक के साथ बारिश और आंधी की संभावना है। वहीं, उत्तर भारत में ठंड बढ़ रही है।

जम्मू-कश्मीर, हिमाचल और उत्तराखंड के कई स्थानों पर न्यूनतम तापमान 10 डिग्री से नीचे बना हुआ है। मैदानी इलाकों में सबसे कम तापमान 8.2 डिग्री सेल्सियस मध्य प्रदेश के राजगढ़ में दर्ज किया गया। अगले चार दिनों में उत्तर-पश्चिम भारत के मैदानी इलाकों में न्यूनतम तापमान में 2-3 डिग्री की और गिरावट होगी। मध्य व पश्चिम भारत में अगले दो दिनों में 2 डिग्री तक बढ़ोतरी होने की संभावना है। उत्तर-पूर्व भारत और उत्तर प्रदेश में अगले पांच दिनों तक सुबह-शाम हल्के से मध्यम कोहरे की चपेट में रहेंगे। इसे देखते हुए मौसम विभाग की ओर से सलाह दी गई है कि सुबह और शाम को यात्रा करते समय अतिरिक्त सावधानी बरती जाए।

मुंबई में भी ठंड का अहसास

मुंबई में सुबह के वक्त ठंडक महसूस होने लगी है। शनिवार को तापमान 21 डिग्री सेंटीग्रेड से थोड़ा नीचे चला गया। नवंबर की आम गर्मी में यह एक ताजा बदलाव था। साफ आसमान और हल्की हवाओं ने सर्दियों से पहले के हल्के एहसास को और बढ़ा दिया। सुबह जल्दी उठने वालों को सर्दियों जैसा महसूस हुआ। शहर पर छाई स्मॉग की पतली परत ने शांत शुरुआत को थोड़ा कम कर दिया, जिससे दृश्यता कम हो गई और मुंबई की वायु गुणवत्ता की चिंताएं बढ़ गईं। आईएमडी के अनुसार, आज दिनभर आसमान साफ रहेगा और दोपहर तक तापमान बढ़कर लगभग 33 डिग्री सेंटीग्रेड हो जाएगा। अगले कुछ दिनों तक सुबह ठंडी रहने की उम्मीद है। वायु गुणवत्ता में कोई बड़ी राहत मिलने की उम्मीद नहीं है। नागरिकों को मास्क और एयर प्यूरीफायर का इस्तेमाल करने की सलाह दी जा सकती है। झारखंड में मौसम इन दिनों बेहद सुहाना बना हुआ है। सुबह के समय हल्की धुंध और कोहरे की परत छाई रहती है। लेकिन सूरज निकलते ही धूप की गर्माहट ने ठंडक को कम कर दिया है। राजधानी रांची में अधिकतम तापमान 25 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान लगभग 14 डिग्री सेल्सियस के आसपास दर्ज किया गया।

गौतमपुरा में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के आगमन को लेकर व्यापक तैयारियाँ, प्रशासन पूरी सतर्कता के साथ जुटा

देपालपुर। गौतमपुरा क्षेत्र में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के प्रस्तावित दौरे को लेकर तैयारियाँ तेज़ हो गई हैं। प्रशासनिक तंत्र से लेकर स्थानीय प्रतिनिधि, पुलिस और नगर परिषद9all मिलकर मुख्यमंत्री के स्वागत और कार्यक्रमों की सुचारू व्यवस्था सुनिश्चित करने में जुटे हैं। क्षेत्र में उत्साह का माहौल है और गाँव-कस्बों में मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर खास तैयारी देखी जा रही है।

मुख्यमंत्री के कार्यक्रम को ध्यान में रखते हुए क्षेत्रीय विधायक मनोज निर्भय सिंह पटेल ने हेलीपैड स्थल, शासकीय हाई सेकंडरी विद्यालय और पूरे रूट प्रोटोकॉल का विस्तार से निरीक्षण किया। उन्होंने सभी विभागों को स्पष्ट निर्देश दिए कि प्रत्येक व्यवस्था समय पर और उच्च स्तर पर पूरी की जाए। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की कमी नहीं छूटनी चाहिए, क्योंकि यह दौरा क्षेत्र के विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। नगर परिषद, प्रशासन और पुलिस विभाग संयुक्त रूप से सुरक्षा, भीड़ नियंत्रण, साफ–सफाई और पार्किंग की व्यवस्थाओं पर काम कर रहे हैं। हेलीपैड क्षेत्र में समतलीकरण, बैरिकेडिंग और सुरक्षा घेरा तैयार किया जा रहा है।

पू. श्रीमाताजी श्री निर्मलादेवीने 5 मई 1970 कुंडलीनी जागरण द्वारा आत्मा को जागृति देने की एक अभिनव पद्धति खोज निकाली इस पद्धति का उल्लेख अनेक धर्म- ग्रंथो मे एवं उपनिषदों में भी मिलता है

देहमध्ये ब्रम्हनाडी सुषुम्णा सूर्यरूपिणी पूर्णचन्द्राभ वर्तते। सा तु मूलाधारादारभ्य ब्रम्हरंधगामिनी भवति । तन्मध्ये तटकोटिसमानकान्त्या मृणालसूत्रवत् सूक्ष्मागी कुण्डलिनीति प्रसिद्धा अस्ति । तां दृष्टा मनसव नरः सर्वपापविनाश द्वारा मुक्तो भवति।

'अद्वय- तारकोपनिषद् '

उपरोक्त वर्णित श्लोक देह में ब्रम्हनाडी सुषुम्ना परम प्रकाश है। वह मूलाधार से ब्रम्हरंध्र तक जाती है। उसके साथ सूक्ष्म तन्तु में जुड़ी माँ स्वरुपिनी कुंडलिनी शक्ति है। उसका भावनात्मक दर्शन करने से मनुष्य सब पापों और बंधनों से छुटकारा प्राप्त कर लेता है। कुंडलीनी में सुषुम्ना, ब्रम्ह नाड़ी का, अत्यन्त महत्वपूर्ण स्थान हैं । परम पूज्य श्री माता जी निर्मला देवी द्वारा सहजयोग भी सुषुम्ना नाड़ी की ओर हमें प्रकाशवान बनाने की बात करता है। अब हमारे सामने प्रश्न है कि, हम कैसे प्रकाशवान बनेंगे? श्रीमाताजी कहते हैं, हमें अपने हृदय की संकीर्णता को त्याग कर महान बनना चाहिये। मैंने "आपको अनेकों बार बताया है कि परमात्मा ने केवल एक ही सृष्टी की रचना की थी। निसंदेह, परमात्मा ने केवल सौंदर्य की रचना हेतु मानवों में भिन्नता बनाई, लेकिन हम लोग कितने अंधे हैं, जो यह सोचते है कि हम अलग - अलग तरह के इंसान हैं, हम अलग-अलग देशो से है ,अलग-अलग नस्लों से हैं, अलग जातियों से हैं, अलग समुदाय से हैं,अलग शहरों से है और उसके बाद छोटी-छोटी गलियों के अलग-अलग घरों से हैं। हमें अपना हृदय खोल कर प्रकाश जैसा बनना होगा। छोटा नहीं बनना है। हम कुछ महान बनने के लिए विशेष रूप से चुने गए लोग हैं। अहंकार सबसे बड़ी समस्या है। यह अंहकार हृदय को ढक लेता है और आपको मिथ्या पहचान "मै एक भारतीय हूँ या अमेरिकन हूं, मैं हिंदू हूँ या मैं सिख हूँ, मैं ऐसा हूँ मै वैसा हूँ , में मग्न रखता है। उपरोक्त वर्णित श्रीमाताजी की अमृतवचनो से स्पष्ट है कि हमें प्रकाशवान बनने में हमारा अहंकार ही बाधा है। सहजयोग

में जब हमें अपना आत्म साक्षात्कार प्राप्त होता है, तो हमें यह पता लग जाता है कि हम में अहंकार आ गया था या प्रति अहंकार, और हम इससे कैसे छुटकारा पाएं। सही मायने में हमारा अहंकार या प्रति- अहंकार से छुटकारा पाना ही सभी पापों से मुक्त होना है। सहज योग पूर्णतया निशुल्क है अपने आत्म साक्षात्कार को प्राप्त करने हेतु अपने नजदीकी सहजयोग ध्यान केंद्र की जानकारी टोल फ्री नंबर 1800 2700 800 अथवा यूट्यूब चैनल लर्निंग सहजयोगा से प्राप्त कर सकते है।

लंबे समय से जुआरियों के हौसले बुलंद, आखिर कौन कराएगा खकनार में जुआ क्लब बंद ?

खकनार में जुए का 'तांडव': 'अंधेर नगरी' में बेख़ौफ़ जुआरी! क्या बुरहानपुर SP साहब खकनार थाने के पास का जुआ क्लब' बंद करवा पाएंगे ?

बुरहानपुर/खकनार। यह कैसी विडंबना है! एक तरफ़ पुलिस अधीक्षक महोदय बड़े-बड़े केस सुलझाने का दम भरते हैं, और दूसरी तरफ़ खकनार थाना क्षेत्र में अवैध जुए का कारोबार दिन-दूनी रात-चौगुनी तरक्की कर रहा है। ऐसा लगता है, जैसे खकनार थाने को किसी ने 'अवैध जुआ क्लब' के संचालन का लाइसेंस दे दिया हो, क्योंकि खबरें छपने और लिखित शिकायतें होने के बावजूद इस सामाजिक कैंसर को रोकने में पुलिस पूरी तरह से निष्क्रिय साबित हुई है।

CM हेल्पलाइन बनी 'शिकायत दफ़न' पेटी!- अवैधता का आलम यह है कि जब कोई नागरिक CM हेल्पलाइन का सहारा लेता है, तो जिम्मेदार अधिकारी कार्रवाई करने के बजाय, शिकायतकर्ता पर दबाव बनाकर शिकायत को बंद करवाने की 'सफ़लता' हासिल कर लेते हैं! क्या पुलिस का काम अपराध रोकना है या शिकायतें छुपाना? यह जिम्मेदारों की चुप्पी ही है जो जुआरी को अ लोगों की मेहनत के लाखों रुपए दांव पर लगाकर बीबी-बच्चों को बेघर करने की छूट दे रही है। किसकी छत्र-छाया में ये अवैध कारोबारी बिंदास घूमते हैं। जब एक जुआरी के ग्रामीण अपना घर का सामान और बच्चों की फीस तक दांव पर लगा देता है, और उसके परिवार की चीखें भी पुलिस को सुनाई नहीं देतीं, तो यह सवाल उठना लाज़मी है: क्या यह अवैध कारोबार किसी 'अदृश्य शक्ति' की अनुमति से चल रहा है?

थाना प्रभारी की कार्यशैली पर 'संदेह' का साया!

सवाल केवल जुआ कारोबार पर नहीं, बल्कि उस पुलिसिया 'मौन' पर है जो इस अवैध धंधे को फलने-फूलने की खुली छूट दे रहा है। मौखिक शिकायत तो छोड़िए, लोग लिखित में गिड़गिड़ा चुके हैं, फिर भी थाना प्रभारी की कार्यशैली से सवालों के घेरे स्पष्ट दिखाई दे रही है। जुआरी इतने निर्भीक हैं कि वे थाना परिसर में लगातार घूम रहे हैं या उसके ठीक आस-पास मंडराते हैं—मानों उन्हें पुलिस के संरक्षण का कवच प्राप्त हो! क्या यह कानून व्यवस्था का मज़ाक नहीं है? थाना क्षेत्र में अवैध जुआ क्लब/अड्डों के संचालन को लेकर पुलिस की कार्रवाई पर सवाल उठना एक गंभीर विषय है।

खकनार थाना प्रभारी की कार्यशैली पर सवाल- स्थायी संचालनः लंबे समय से अवैध जुआ क्लब का बेरोकटोक चलना सीधे तौर पर खकनार थाना प्रभारी की कार्यशैली पर संदेह पैदा करता है। अवैध जुआ क्यों संचलितः यह सवाल उठता है कि क्या खकनार थाना प्रभारी को इनअवैध जुआ अड्डों की जानकारी क्यों नहीं हैं? अगर जानकारी थी, तो उन पर पहले कार्रवाई क्यों नहीं की गई? कानून व्यवस्था में चूकः अवैध गतिविधियों का पनपना यह दर्शाता है कि थाना क्षेत्र में कानून व्यवस्था बनाए रखने में खकनार थाना प्रभारी असफल रहे हैं।

जन्मदिन की अग्रिम शुभ सूचना

"रंजीत टाइम्स" में अब आप अपने या अपने प्रियजनों का जन्मदिन एक दिन पहले ही निशुल्क प्रकाशित करवा सकते हैं!

बस हमें भेजिए: 1 जन्मदिन मनाने वाले की फोटो

2 उसका पूरा नाम- 3 बधाई देने वाले का नाम जन्मदिन के एक दिन पहले ही विज्ञापन भेज दें, ताकि समय रहते प्रकाशित किया जा सके।

भेजने का नंबर (Aditya): 8224951278

रंजीत टाइम्स में आपका विज्ञापन पूरी तरह मुफ्त प्रकाशित किया जाएगा!
अपने जज़्बातों को शब्द दें – सिर्फ रंजीत टाइम्स के साथ।
टीम रंजीत टाइम्स- "आपका अपना अख़बार, आपकी आवाज़"

रणजीत टाइम्स

दैनिक रणजीत टाइम्स
जिला एवं तहसील स्तर पर एजेंसी देना है
अपना बायोडाटा सम्पूर्ण विवरण के साथ हमें प्रेषित करें
सम्पर्क करें
8224951278 :: 9827068888

निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर पीड़ित मानवता की सच्ची सेवा - जिला न्यायाधीश हिदायत उल्ला खान

दरबार सिंह ठाकुर

देपालपुर(इंदौर)-रविवार, 23 नवंबर को काजी हाउस, देपालपुर काज़ी मोहल्ला में अरबिंदो हॉस्पिटल इंदौर के सहयोग से निःशुल्क मेडिकल हेल्थ कैंप का सफल आयोजन तहसील विधिक सेवा समिति देपालपुर के अध्यक्ष व जिला न्यायाधीश माननीय श्री हिदायत उल्ला खान के मुख्य आतिथ्य एवं शहर क़ाजी जनाब अब्दुल माजिद फ़ारूकी की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। स्वास्थ्य शिविर को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि जिला न्यायाधीश हिदायत उल्ला खान ने कहा कि समय पर रोगों की पहचान, जन-जागरूकता और चिकित्सा सुविधाओं तक सहज पहुंच समाज के स्वास्थ्य सुरक्षा कवच का महत्वपूर्ण आधार है। निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर मानवता की सच्ची सेवा और सामाजिक उत्तरदायित्व का सर्वोत्तम उदाहरण हैं।

इस स्वास्थ्य शिविर में अरबिंदो हॉस्पिटल की विशेषज्ञ चिकित्सक टीम डॉ.कार्तिक तोमर (मेडिसिन), डॉ. शेफाली (नेत्र रोग विशेषज्ञ), डॉ. शीतल (स्त्री रोग विशेषज्ञ) ने विभिन्न रोगों का परीक्षण कर परामर्श दिया। हेल्थ कैंप में करीब 100 से अधिक लोगों ने स्वास्थ्य परीक्षण कराया और उन्हें सभी सेवाएँ पूर्णतः निःशुल्क उपलब्ध कराई गईं। कार्यक्रम में डा. अब्दुल मन्नान, पार्षद रवि चौरसिया, सोमिल मेहता,मोहम्मद फारूख, अफ़ज़ल फ़ारूकी, गुलरेज फ़ारूकी, अवैज़, अकमल, डा. राशिद अली, फ़रहान अली, शाहिद फ़ारूकी, एडमिन कृष्णकांत यादव, पी.आर.ओ. रोहित सिंह, ललित चौधरी, अरुण पाण्डेय, राहुल शर्मा मंगला सचिन सहित नगर के कई गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कैंप में चिन्हित जरूरतमंद मरीजों के लिए मोतियाबिंद के ऑपरेशन आयुष्मान भारत योजना के तहत अरबिंदो हॉस्पिटल, इंदौर में निःशुल्क कराए जाएंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे शहर क़ाजी अब्दुल माजिद फ़ारूकी ने सभी चिकित्सकों, आगंतुकों तथा सहयोगियों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया।

स्मृति मंधाना के पिता की अचानक तबीयत बिगड़ने से शादी टली

इंदौर। टीम इंडिया की स्टार बल्लेबाज स्मृति मंधाना और म्यूजिक कंपोजर पलाश मुच्छल की शादी अचानक टल गई है. रविवार 23 नवंबर को महाराष्ट्र के सांगली में स्मृति और पलाश शादी के बंधन में बंधने जा रहे थे. मगर इससे पहले ही शादी के माहौल दुखद घटना घटी, जब स्मृति के पिता की अचानक तबीयत बिगड़ गई. जानकारी के मुताबिक, अचानक ये हादसा होने के बाद एंबुलेंस आई और स्मृति के पिता श्रीनिवास मंधाना को आनन-फानन में अस्पताल में भर्ती कराया गया है. पिता की तबीयत बिगड़ने के कारण स्मृति ने फिलहाल शादी टालने का फैसला किया है.

महाराष्ट्र के सांगली में स्मृति मंधाना के नए घर में पिछले कुछ दिनों से ही शादी की तैयारियां चल रही थीं और सभी रस्मों को पूरा किया जा रहा था. रविवार 23 नवंबर की शाम करीब 4.30 बजे शादी का मुहूर्त था लेकिन इससे पहले कि कुछ हो पाता, अचानक खुशियों से भरे माहौल में खलल पड़ गई. जानकारी के मुताबिक, सुबह नाश्ते के वक्त मंधाना के पिता की तबीयत बिगड़ गई थी लेकिन जब उसमें सुधार नहीं हुआ तो उन्हें तुरंत ही सांगली के सर्वहित अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टर्स उनकी स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं.

मीडिया से बात करते हुए स्मृति मंधाना के मैनेजर तुहिन मिश्रा ने पूरे घटनाक्रम को बयान किया. उन्होंने कहा, आज सुबह नाश्ता करते समय श्रीनिवास मंधाना की तबीयत बिगड़ गई. हमें लगा कि वो ठीक हो जाएँगे. इसलिए हमने थोड़ी देर इंतज़ार किया. लेकिन उसके बाद उनकी तबीयत और बिगड़ गई. जिसके कारण उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया. स्मृति अपने पिता के बहुत ज्यादा करीब हैं. इसलिए उन्होंने फैसला किया है कि जब तक उनके पिता पूरी तरह से ठीक नहीं हो जाते, तब तक वह शादी नहीं करेंगी.

तुहिन मिश्रा ने साथ ही बताया कि स्मृति ने ही शादी को अनिश्चितकाल के लिए टालने का फैसला किया है. उन्होंने कहा, डॉक्टर्स अभी श्रीनिवास मंधाना की स्थिति पर लगातार नजर रख रहे हैं. उन्होंने कहा है कि अभी कुछ दिन अस्पताल में रहना पड़ेगा. इसलिए स्मृति ने फैसला किया है कि जब तक उनके पिता पूरी तरह ठीक नहीं होते तब तक शादी नहीं करेंगी. इसलिए शादी अनिश्चितकाल के लिए टाल दी हई है. हम सभी लोगों से मंधाना परिवार की निजता का सम्मान करने की अपील करते हैं.

निवेश के नाम पर ठगी करने वाले दो बदमाशों को सूरत से पकड़ा

● 60 लाख रुपए की लगाई, क्राइम ब्रांच की बड़ी कार्रवाई

इंदौर। क्राइम ब्रांच ने गुजरात से ऑनलाइन इन्वेस्टमेंट के नाम पर ठगी करने वाले दो बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया है। बदमाश गैंग के सक्रिय सदस्य हैं। उनके द्वारा 60 लाख रुपए की चपत लोगों को लगाई जा चुकी है। टीम अब तक गैंग के 40 से ज्यादा बैंक खातों में जमा लाखों रुपए फ्रीज कर चुकी है। क्राइम ब्रांच ने सूचना पर अनुराग शुक्ला और मनीष भट्टर दोनों निवासी सूरत (गुजरात) को गिरफ्तार किया है।

यह बदमाश फरियादी को झूठे टेलीग्राम टास्क और इन्वेस्टमेंट स्कीम का लालच देते थे। फरियादी मोहम्मद हिदायतुल्ला ने ठगी की शिकायत एनसीपीआर पोर्टल पर दर्ज कराई थी, इसके बाद क्राइम ब्रांच ने प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए आरोपी गैंग की खोज शुरू की। शुरूआती जांच में पाया गया कि ठगों ने फरियादी को विश्वास में लेने के लिए पहले छोटा मुनाफा दिया और बाद में बड़ी रकम इन्वेस्ट कराया जाता है। पूर्व में गिरोह के चार सदस्य मंदीप (हिसार, हरियाणा), सिद्देश्वर खांड भराड़ (महाराष्ट्र), गुरदीप बुरा (हरियाणा) तथा कृष्णा कदम (महाराष्ट्र) को गिरफ्तार किया जा चुका है।बैंक खाते कराते थे उपलब्ध सूरत से गिरफ्तार किए गए दोनों आरोपी गैंग को फर्जी बैंक खाते उपलब्ध कराने का काम करते थे। इसके बदले उन्हें मोटा कमीशन मिलता था। तकनीकी विश्लेषण और मुखबिर की सूचना के आधार पर क्राइम ब्रांच ने इन्हें ट्रेस कर गिरफ्तार किया। प्रारंभिक पूछताछ में आरोपियों ने देशभर में सैकड़ों लोगों को इसी तरीके से ठगने का खुलासा किया है। गिरफ्तार आरोपियों पर धारा 318(4), 316(5), 3(5) में कार्रवाई की जा रही है।

डीसीपी क्राइम ब्रांच राजेश कुमार त्रिपाठी के अनुसार, इंदौर निवासी मोहम्मद हिदायतुल्ला ने सितंबर 2024 में एनसीआरपी पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि टेलीग्राम टास्क और इन्वेस्टमेंट के नाम पर उनसे 60 लाख रुपए की ठगी की गई। ठगों ने शुरू में उन्हें छोटा मुनाफा दिखाकर विश्वास जीता और फिर बड़ी रकम इन्वेस्ट करवाकर रकम हड़प ली। जब उन्होंने पैसा निकालने की कोशिश की, तब ठगी का पता चला।

चार बदमाश जिला बदर, 15 को देना होगी थाने पर हाजरी

● अपराधों पर अंकुश के लिए पुलिस की बड़ी कार्रवाई

इंदौर। शहर में बढ़ते अपराधों ने पुलिस की नींद उड़ा रखी है। तमाम सख्ती और प्रतिबंधात्मक कार्रवाई भी बदमाशों पर की जा रही है। इसी क्रम में पुलिस कमिश्नर के आदेश पर 4 कुख्यात बदमाशों को जिला बदर तथा 15 बदमाशों को थाना हाजरी देना होगी। ऐसा नहीं होने पर उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस के अनुसार, जुनैद पिता मजहर अली निवासी बडवाली चौकी रजा अपार्टमेंट थाना सदर बाजार, नीरज पिता गणपत सिंह ठाकुर निवासी मयूर नगर, राज पिता कमल बौरासी निवासी त्रिवेणी नगर चितावद तथा रोशन उर्फ रोहन बौरासी उम्र निवासी त्रिवेणी नगर को छह माह के लिए जिलाबदर किया है। जबकि, आवेश पिता हनीफ खान (एक साल), सतीश पिता प्रेम (एक साल), सुन्दरम उर्फ छोटू (एक साल), पीयूष उर्फ पीलू (एक साल), रिंकू उर्फ विकास (एक साल), हेमंत उर्फ भय्यू (एक साल), पंकज उर्फ टिल्लू (एक साल), सागर पिता प्रताप (6 माह), सुजल उर्फ छोटू(6 माह), आकाश उर्फ कालू (6 माह), कालू पिता शगुन (6 माह), लखन उर्फ लक्खा (6 माह), सलीम पिता ईद मोहम्मद (6 माह), आकाश पिता राधेश्याम (6 माह) तथा सोहेल पिता उमर कुरैशी (6 माह) तक थाने में हाजिरी देंगे। उन्हें उक्त अवधि में किसी भी अवैध गतिविधि में शामिल नहीं होना होगा, लोक शांति भंग करने वाला कोई कृत्य नहीं करना होगा तथा निर्बंधन आदेश का उल्लंघन करने पर कार्रवाई की जाएगी।

कड़कड़ाती सर्दी में भी इंदौर की फिटनेस का जोरदार प्रदर्शन

इंदौर। रविवार की सुबह कोहरा, ठंडी हवा और जमकर ठिठुरन के बावजूद इंदौर के नागरिकों का फिटनेस के प्रति उत्साह किसी भी तरह कम नहीं हुआ। शहर की सड़कों पर हजारों कदम एक साथ चल पड़े जब 'रन इंदौर–वन इंदौर : रन विथ मेयर' मैराथन की शुरुआत हुई। 20 हजार से अधिक प्रतिभागियों ने 3, 5 और 7 किलोमीटर की दूरी तय करते हुए यह संदेश दिया कि इंदौर स्वच्छता की तरह फिटनेस में भी देश की अग्रणी पहचान बन चुका है। इस दौड़ की सबसे विशेष बात दिव्यांग धावकों की प्रेरणादायक भागीदारी रही, जिन्होंने अपने जज्बे और आत्मविश्वास से पूरे आयोजन का केंद्र बिंदु बनकर सभी को प्रभावित किया। मैराथन की शुरुआत वंदे मातरम गीत के साथ हुई, जिसके बाद जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने उपस्थित जनसमूह को स्वच्छता और स्वास्थ्य की शपथ दिलाई। तत्पश्चात नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय ने हरी झंडी दिखाकर मैराथन को रवाना किया। महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव सहित जनप्रतिनिधियों ने प्रतिभागियों के उत्साह का स्वागत करते हुए इंदौर की फिटनेस स्पिरिट को सराहा।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का संबोधन
"इंदौर हर क्षेत्र में अद्भुत उदाहरण"

कार्यक्रम को ऑनलाइन संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि इंदौर ने स्वच्छता की तरह अब फिटनेस में भी नई पहचान स्थापित कर दी है। उन्होंने कहा कि इंदौरवासी हर काम को अद्भुत तरीके से करते हैं और स्वास्थ्य के प्रति यह सामूहिक चेतना प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में देश का गौरव बढ़ाने का मजबूत माध्यम है। दौड़ फिटनेस का आधार है और आज इतनी बड़ी संख्या में लोग इस दौड़ में शामिल होकर देश के सामने एक प्रेरक उदाहरण पेश कर रहे हैं।

नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय ने इंदौरवासियों की ऊर्जा और फिटनेस के प्रति प्रतिबद्धता की सराहना करते हुए कहा कि इंदौर सिर्फ स्वच्छता ही नहीं, हर क्षेत्र में देश-दुनिया में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहा है।